इण्डियन
थिऑसफिस्ट

फरवरी 2026 खण्ड 124 अंक 2

विषयवस्तु

अध्यक्षीय भाषण 1—26
समाचार और नोट्स

सम्पादक प्रदीप एच गोहिल
अनुवादक शिव बरन सिंह

थिऑसफिकल सोसायटी ऐसे शिक्षार्थियों से मिल कर बनी है जो संसार के किसी भी धर्म से संबंध रखते हैं या फिर संसार के किसी भी धर्म से सम्बन्ध नहीं रखते हैं, और जो सोसायटी के उद्देश्यों के अनुमोदन के कारण सोसायटी से जुड़े हुये हैं, धार्मिक विरोधों को दूर करने और अच्छी मानसिकता वाले लोगों को एकत्रित करते हैं जिनकी धार्मिक धारणा कुछ भी क्यों न हो, या जिनकी आकांक्षा धार्मिक सत्य को जानने, और अपने अध्ययन के परिणामों को दूसरों से साझा करना चाहते हैं। उनके एकत्व का बंधन कोई समान विश्वास का व्यवसाय नहीं है बल्कि समान खोज और सत्य तक पहुंचने की आकांक्षा है। वे मानते हैं कि सत्य को अध्ययन, मनन, जीवन की पवित्रता, उच्च आदर्शों के प्रति उनकी श्रद्धा, और जो सत्य को ऐसा पारितोषिक मानते हैं जिसके लिये प्रयास किया जाना चाहिये, न कि ऐसी रूढ़ि जो अधिकार से लागू की जाये। वे मानते हैं कि विश्वास व्यक्तिगत अध्ययन और स्फुरणा का परिणाम है न कि उससे सम्बन्धित किसी वस्तु से, और उसका आधार ज्ञान होना चाहिये न कि मान्यता। वे सभी के प्रति सहिष्णु होते हैं, यहां तक कि असहिष्णु के प्रति भी, किसी विशेषाधिकार के रूप में नहीं बल्कि कर्तव्य के रूप में और वे अज्ञान को मिटाना चाहते हैं, उन्हें दंड दे कर नहीं। वे सभी धर्मों को दैवी प्रज्ञान की अभिव्यक्ति के रूप में मानते हैं, और इनका तिरस्कार और धर्म परिवर्तन को नहीं उनके अध्ययन को वरीयता देते हैं। शांति के प्रति वे सतर्क हैं, जैसे सत्य उनका लक्ष्य है।

थिऑसफी ऐसे सत्यों का संग्रह है जो सभी धर्मों का आधार बनाती है, और कोई इस पर अपने व्यक्तिगत अधिकार का दावा नहीं कर सकता है। यह ऐसा दर्शन प्रस्तुत करती है जो जीवन की समझ प्रदान करता है और जो न्याय और प्रेम को दर्शाता है, जो विकास का मार्गदर्शन करता है। यह मृत्यु को उसके उचित स्थान पर रखती है, जो अनन्त जीवनों में पुनरावृत्ति करने वाली क्रिया है, और एक अधिक पूर्ण और अधिक प्रकाशमान अस्तित्व है, यह संसार में अध्यात्म–विज्ञान को पुनर्प्रतिष्ठित करती है, मनुष्य को शिक्षा देती है कि वह स्वयं आत्मा है और मन और शरीर उसके सेवक हैं। यह ग्रन्थों और धार्मिक सिद्धांतों के गूढ़ अर्थों को प्रकाशित करती है और इस प्रकार मेधापूर्वक उनकी पुष्टि करती है क्यों कि वे स्फुरणा की दृष्टि में सदैव उचित हैं।

थिऑसफिकल सोसायटी के सदस्य इन सत्यों का अध्ययन करते हैं और थिऑसफिस्ट उन्हें अपने जीवन में उतारते हैं। ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो अध्ययन करना चाहता है, सहिष्णु होना चाहता है, जिसका लक्ष्य उच्च है और पूरी शक्ति से कार्य करना चाहता है, उसका सदस्य के रूप में स्वागत है, और उसका सच्चा थिऑसफिस्ट बन जाना उसी पर निर्भर करता है।

अध्यक्षीय भाषण

थियोसोफिकल सोसाइटी (TS) के 150वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

(31 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी 2026 तक)

व्यक्तिगत रूप से और जूम पर अड्यार में यहाँ सभी सदस्यों और कर्मचारियों की ओर से, मैं आप सभी का, और जो लोग ऑनलाइन जुडे हैं, इस 150वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वागत करता हूँ। 150 सालों से हम इस तरह इकट्ठा हो रहे हैं। थियोसोफिस्टों की हर पीढ़ी को इस खास मिलन से फायदा हुआ है, और इस साथ बिताए समय से निकलने वाली ऊर्जाएँ दुनिया के लिए एक आशीर्वाद रही हैं। कृपया खड़े हों और हम उन महान हस्तियों की ओर अपना ध्यान दें जिनकी मदद के लिए इस सोसाइटी की स्थापना की गई थी।

जो अमर प्रेम के प्रतीक हैं, वे
अपने काम के लिए एक माध्यम बनने के लिए स्थापित
इस सोसाइटी को अपनी मदद और मार्गदर्शन से आशीर्वाद दें।
वे इसे अपनी बुद्धि से प्रेरित करें, अपनी शक्ति से मजबूत करें,
और अपनी गतिविधि से ऊर्जावान बनाएँ।

मुझे (TS) के इस 150वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है। इस साल की गतिविधि का मुख्य कार्यक्रम और मजबूत फोकस थियोसोफिकल सोसाइटी (TS) की स्थापना की 150वीं वर्षगांठ थी। पूरे साल अड्यार में, और दुनिया भर में, TS के इतिहास और वैश्विक संस्कृति पर इसके प्रभाव का आकलन करने का प्रयास किया गया है। एक महत्वपूर्ण घटना ने इस क्षण को साकार किया।

लगभग हर सात साल में हम दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में एक विश्व कांग्रेस आयोजित करते हैं। 2018 में पहला एशियाई विश्व कांग्रेस भारत को छोड़ कर सिंगापुर में आयोजित किया गया था। सात साल बीत चुके हैं और इस साल हम उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप में लौटे, जहाँ 1875 में TS की स्थापना हुई थी। TS कनाडा द्वारा आयोजित, दुनिया भर से लगभग 400 सदस्य पाँच दिवसीय समारोह के लिए वैंकूवर, ब्रिटिश कोलंबिया में इकट्ठा हुए। अतिरिक्त दो दिन थियोसोफिकल ऑर्डर ऑफ सर्विस की सभा के लिए समर्पित थे।

विश्व कांग्रेस एक बहुआयामी कार्यक्रम था जिसमें विभिन्न पीढ़ियों के सदस्यों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कनाडाई योगदानों में से कनाडा के ''प्रथम लोग'' की प्रार्थनाएँ और कार्यक्रम थे– मूल अमेरिकी आध्यात्मिक भेंट।

एक और खास बात, फीचर–लेंथ डॉक्यूमेंट्री फिल्म वन फायर का वर्ल्ड प्रीमियर था, जिस पर दो साल से काम चल रहा था। टीएस फिनलैंड की सदस्य, टेरही अहावा द्वारा लिखी और निर्देशित, यह टीएस के इतिहास और वैश्विक संस्कृति पर इसके प्रभाव की एक उच्च–स्तरीय, पेशेवर रूप से निर्मित खोज थी। समय और महाद्वीपों में इसके प्रभाव का पता लगाते हुए, इसने संगीत, कला, धर्म, आध्यात्मिकता, राजनीति और इतिहास के क्षेत्रों के विशेषज्ञों के विचारों को एक साथ लाया। इसमें विशेष रूप से फिल्म के लिए लिखा गया एक म्यूजिकल स्कोर भी शामिल है। फिल्म की कई देशों में थिएटर स्क्रीनिंग हुई है, और 17 नवंबर को, टीएस के स्थापना दिवस पर, इसे YouTube पर रिलीज किया गया था। हालांकि इसे इस लेख के लिखे जाने से सिर्फ तीन हफ्ते पहले रिलीज किया गया था, लेकिन इसे पहले ही 100,000 से ज्यादा बार देखा जा चुका है!

अड्यार में कई उल्लेखनीय गतिविधियाँ हुई हैं। 2024 की शुरुआत में, हमने **अड्यार इको डेवलपमेंट (AED)** प्रोजेक्ट लॉन्च किया, जो अड्यार कैंपस के प्राकृतिक खजाने की अधिक सोच–समझकर देखभाल करने का एक सचेत प्रयास है। ऑरोविल के जॉस ब्रुक्स के नेतृत्व में पिचंडिकुलम फॉरेस्ट कंसल्टेंट्स के साथ इस प्रोजेक्ट पर साझेदारी पिछले एक साल में रेस्टोरेशन इकोलॉजी और व्यावहारिक पर्यावरण शिक्षा के केंद्र के रूप में आगे बढ़ी है। 149वें कन्वेंशन में प्रतिनिधियों के सामने प्रोजेक्ट का अनावरण करने के बाद से, टीम ने चुपचाप कैंपस के हिस्सों को चिंतनशील तल्लीनता और सीखने के लिए सुंदर, स्वस्थ स्थानों में बदलना शुरू कर दिया है। ग्रेट बरगद के पेड से सटी नर्सरी में एक आकर्षक बांस अंकुरण शेड जोड़ा गया, ताकि पूरे कैंपस से एकत्र किए जा रहे कीमती पौधों की देखभाल की जा सके। कैंपस के विभिन्न हिस्सों में सैकड़ों देशी पौधे लगाए जा रहे हैं, जिनमें कम ज्ञात औषधीय जड़ी–बूटियाँ, साथ ही ''पवित्र उपवन'' प्रजातियाँ शामिल हैं, जो क्षेत्र की मूल वनस्पति का प्रतीक हैं, जो समुदाय की संस्कृति में निहित हैं। कैंपस के आसपास के विशेष पेड़ों की देखभाल की गई, जिसमें ओल्कोट कॉटेज के पीछे एक पूजनीय, लेकिन पीड़ित विशाल बाओबाब का पेड़ भी शामिल है। कैंपस के आसपास की जगहों को पुनर्जीवित किया गया है और सोच–समझकर लैंड–स्केपिंग के काम से उन्हें अधिक सुलभ बनाया गया है। अड्यार थिएटर के पास सुंदर ग्रेनाइट की बेंचें लगाई गईं, और पास के तालाब को भी सफेद कमलों से ताजा किया गया, जो मास्टर्स के घर से बहुत समय से गायब थे। ओलकॉट स्कूल के बच्चों को खाना खाने के लिए नई, आकर्षक जगहें दी गईं, जिसमें किचन के पास ग्रेनाइट की बेंचें लगाई गईं। अब और भी कडापा पत्थर की कलाकृतियाँ और नक्काशीदार मूर्तियाँ बगीचों और रास्तों की शोभा बढ़ा रही हैं, जिन्हें शांति से आनंद लेने के लिए सोच–समझकर रखा गया है।

खुश राहगीरों के सामने खुद को दिखाते हुए ओलकॉट स्कूल के पीछे सपोटा बाग में नया ''ब्लू–ग्रीन सेंटर'' नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से ठीक

पहले पूरा हो गया था। मनमोहक और बेहद कार्यात्मक क्लासरूम, साथ ही उसमें पर्यावरण शिक्षकों की टीम, तुरंत एक्शन में आ गई। टीम ने स्कूल के शिक्षकों के साथ मिलकर काम किया, ऐसे कार्यक्रम और गतिविधियाँ बनाईं और डिजाइन कीं जो सेंटर के आसपास के प्राकृतिक वातावरण में व्यावहारिक, गहन अनुभवों को आकर्षक क्लासरूम चर्चाओं के साथ जोड़ती हैं। टीम ने ओलकॉट स्कूल और अड्यार थियोसोफिकल एकेडमी दोनों के बच्चों के साथ जल्दी ही तालमेल बिठा लिया, उन्हें कई तरह की गतिविधियों में शामिल किया जो हमारे आसपास के जीवन की जटिलता और आपसी जुड़ाव को उजागर करती हैं। शिक्षकों ने ओलकॉट स्कूल के छात्रों के साथ भी मिलकर काम किया, ''मिनिस्ट्री ऑफ डिजाइन'' के गठन को प्रोत्साहित किया जो कैंपस की देखभाल करता है,साथ ही बच्चों में अपनेपन और सचेत जिम्मेदारी की भावना पैदा करता है। आगे देखते हुए, टीम स्कूलों, शिक्षकों, पारिस्थितिकी विदों, सामुदायिक कार्यकर्ताओं, कलाकारों और धन का सहयोग करनेवालों के साथ अधिक सहयोग और साझेदारी की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रही है। ओलकॉट बंगले में और उसके आसपास पहले से ही प्रोजेक्ट चल रहे हैं, साथ ही ओलकॉट स्कूल कैंपस में काफी लैंडस्केपिंग का काम भी चल रहा है। साझा पारिस्थितिकी में चेतना के साथ गहरे संबंध बनाने के लिए AED के काम का दायरा असीमित लगता है।

ब्लावत्स्की म्यूजियम ऑफ आर्ट्स द्वारा शुरू की गई कला परियोजना इस साल एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई, जिसने दो साल पहले शुरू हुई 100 पेंटिंग्स के संरक्षण और बहाली का काम सफलतापूर्वक पूरा किया। उनमें से 25 के लिए जर्मन संग्रहालय–गुणवत्ता वाले कांच का उपयोग किया गया ताकि उनकी लंबी उम्र सुनिश्चित हो सके और दर्शक का अनुभव बेहतर हो सके।

इसमें निकोलस रोरिक की प्रतिष्ठित कृति, 'द मैसेंजर' भी शामिल थी, जिसके कारण 1925 में संग्रहालय की स्थापना हुई थी। संग्रहालय की शताब्दी की तैयारी के लिए, हमारे संग्रह से तीस ऐतिहासिक वस्तुओं वाली एक पुस्तिका प्रकाशित की गई। साथ ही, संग्रहालय की जगह का नवीनीकरण किया गया। जलवायु नियंत्रण के लिए, डीह्यूमिडिफायर (नमी कम करने वाला यंत्र) का उपयोग किया गया। एक नई प्रदर्शन व्यवस्था पूरी की गई, और तीस चांदी और कांस्य की वस्तुओं को भी बहाल किया गया। बाहरी गतिविधियों में, आर्ट प्रोजेक्ट को वर्ल्ड कांग्रेस में पेश किया गया, और 20वीं सदी की शुरुआत के एक मशहूर थियोसोफिस्ट कलाकार लॉरेन हैरिस की पेंटिंग्स देखने के लिए वैंकूवर आर्ट गैलरी के वॉल्ट्स का दौरा आयोजित किया गया। आखिर में, क्रिस्टीन ओडलंड और फ्रेडरिक सोडरबर्ग के साथ एक सदी से भी ज्यादा समय बाद आर्टिस्ट रेजिडेंसी (निवास) को फिर से शुरू किया गया।

स्वीडन से कैंपस में उनकी मौजूदगी बहुत अच्छी रही है, और अड्यार

में बिताए गए समय का नतीजा सम्मेलन के दौरान उनकी प्रदर्शनी में देखा जा सकता है।

अड्यार लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर ALRC स्वचालन के अपने अंतिम चरणों में है। (i) यह किताबों या पांडुलिपियों की तेजी से खोज, (ii) सुरक्षित भंडारण और पुनर्प्राप्ति (iii) और सभी डेटा का बैकअप संभव बनाता है। कोहा एक खुला–स्रोत (ओपन–सोर्स) सॉफ्टवेयर है जिसका इस्तेमाल दुनिया भर की लाइब्रेरियों में किया जाता है। यहाँ इसे लाइब्रेरी मेंबरशिप और 150,000 से ज्यादा किताबों के टाइटल और 20,000 कागज और ताड़ के पत्तों की पांडुलिपियों के हमारे डेटाबेस को मैनेज करने के लिए शुरू किया गया है, जिनका डिजिटलीकरण किया जा रहा है। पांडुलिपियों को स्कैन या फोटो खींचा जाता है और कंप्यूटर में स्टोर किया जाता है। एक परिष्कृत सिस्टम का इस्तेमाल करके सभी डेटा का नियमित बैकअप लिया जाता है। इसके लिए एक IT सेक्शन बनाया गया था।

ओलकॉट मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल (OMHSS) में पिछले एक साल में काफी अपग्रेड हुए हैं। शिव नादर स्कूल के साथ मिलकर, एक ट्रैक एंड फील्ड सुविधा बनाई गई। एक ब्लू–ग्रीन सेंटर भी बनाया गया और अब इसमें पूरा स्टाफ है और यह चालू है, जो इस क्षेत्र में एक इको–एजुकेशनल हब के रूप में काम कर रहा है। इस सेंटर का उद्घाटन अप्रैल में हुआ था।

अड्यार थियोसोफिकल एकेडमी (ATA) में नामांकन लगातार बढ रहा है, हर सालएक नया ग्रेड लेवल जोड़ा जा रहा है, वर्तमान में 8 वीं कक्षा तक नतीजतन, स्कूल अपने मौजूदा स्थान, थियोसोफिकल पब्लिशिंग हाउस TPH और वसंत प्रेस की इमारतों से बड़ा हो गया है। अक्टूबर में हमने अड्यार कैंपस के किर्बी गार्डन्स क्षेत्र में नए स्कूल कैंपस के लिए नींव रखी और यह अगले शैक्षणिक वर्ष तक तैयार हो जाना चाहिए।

वर्ष 2024–2025 TS के भारतीय सेक्शन के लिए बहुत सक्रिय और महत्वपूर्ण रहा, जिसमें मेंबरशिप में मजबूत वृद्धि और विस्तारित शैक्षिक योजनाओं की विशेषता रही। 98 सदस्यों के एक ऐतिहासिक प्रतिनिधिमंडल ने सोसाइटी की 150वीं वर्षगांठ के लिए वैंकूवर में 12वें विश्व कांग्रेस में भाग लिया, जो किसी भी देश से सबसे बड़ा था। प्रमुख प्रशासनिक विकास में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा थियोसोफी पाठ्यक्रम की मंजूरी, भूमि से संबंधित मामलों का समाधान, और सेलम में अधिग्रहित भूमि के लिए प्राप्त मुआवजा शामिल था। डॉ. राधा बर्नियर पुरस्कार एन. सी. कृष्णा को उनकी लंबी और समर्पित सेवा के लिए दिया गया। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय लेक्चरर ने बड़े पैमाने पर हुए, और आत्म–ज्ञान, ध्यान, आध्यात्मिक पुनरुत्थान, महात्मा पत्रों, वैश्विक भाईचारे और व्यावहारिक विषयों पर शिक्षाएँ साझा कीं।

थियोसोफी साप्ताहिक लेक्चर, स्टडी ग्रुप और थियोसोफी इंडिया

सहित YouTube चैनलों जैसी आनलाइन गतिविधियों ने पहुँच को काफी बढ़ाया। प्रकाशन मजबूत बने रहे, जिसमें द इंडियन थियोसोफिस्ट मासिक रूप से अंग्रेजी और हिंदी में, किताबों, अनुवादों और डिजिटल न्यूज लेटर के साथ जारी किया गया। थियोसोफिकल ऑर्डर ऑफ सर्विस, कॉलेजों, हॉस्टल और स्कूलों के माध्यम से सेवा और शैक्षिक कार्य जारी रहा, जबकि कई राज्यों में नई पहुँच ने नए स्टडी ग्रुप और लॉज को बढ़ावा दिया।

अड्यार में अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय में, अड्यार लाइब्रेरी और रिसर्च सेंटर (ALRC) ने 149वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ''कंजूर और तंजूरः तिब्बती बौद्ध धर्म की पवित्र पुस्तकें'' शीर्षक से एक प्रदर्शनी प्रस्तुत की, जिसे बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली। लाइब्रेरी ने विज्ञान–आधारित भारतीय ज्ञान प्रणालियों पर दो दिवसीय सेमिनार भी आयोजित किया और कर्मचारियों द्वारा संस्कृत पाठ्यक्रम के सफल समापन का जश्न मनाया। ''लाइब्रेरीज एज कम्युनिटीज'' कार्यक्रम बढ़ती सार्वजनिक भागीदारी के साथ लगातार बढ़ रहा है।

मैंने शुरुआत में ही अड्यार इको डेवलपमेंट और ब्लवात्स्की म्यूजियम ऑफ आर्ट्स के बारे में बात की है।

बेसेंट मेमोरियल एनिमल डिस्पेंसरी ने मजबूत विकास और संगठित करने का एक वर्ष अनुभव किया, जिससे दयालु पशु चिकित्सा सेवा में इसकी भूमिका मजबूत हुई। समर्पित पशु चिकित्सा पेशेवरों और स्वयंसेवकों के समर्थन से सामुदायिक जरूरतों को पूरा करने के लिए नैदानिक सेवाओं का विस्तार किया गया। उन्नत उपकरणों के साथ निदान क्षमता में सुधार हुआ, और एक आधुनिक ऑपरेशन थिएटर ने पशु जन्म नियंत्रण प्रयासों को मजबूत किया। नसबंदी और जिम्मेदार पालतू पशु स्वामित्व पर लगातार जोर ने दीर्घकालिक कल्याण लक्ष्यों को आगे बढ़ाया। नई सुविधाओं ने कई प्रजातियों के जानवरों की देखभाल को बढ़ाया, जिससे BMAD की पशु कल्याण और सामुदायिक जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।

ओलकॉट एजुकेशन सोसाइटी ने पिछले वर्ष के दौरान

अपनी शैक्षिक, सामाजिक और व्यावसायिक योजनाओं के माध्यम से वंचित समुदायों के सदस्यों के समग्र विकास के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को बनाए रखा। कर्नल ओलकॉट की दृष्टि से निर्देशित, ओलकॉट मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल ने 375 छात्रों को मुफ्त, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की, जिसे भोजन, परामर्श, छात्रवृत्ति और शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला द्वारा समर्थित किया गया, साथ ही AED टीम के माध्यम से डिजिटल साक्षरता, STEM शिक्षा और पर्यावरणीय जागरूकता को भी एकीकृत किया गया। सामाजिक कल्याण केंद्र ने मोंटेसरी–आधारित शिक्षा, स्वास्थ्य योजनाओं पर्यावरण जागरूकता और पोषण के माध्यम से 25 बच्चों के लिए

प्रारंभिक बचपन की शिक्षा को बढ़ावा दिया। व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र ने सिलाई और बुनाई कौशल के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाया, जिससे स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा मिला उनके साथ मिलकर, इन इकाइयों ने शिक्षा, गरिमा और सेवा की एक दयालु विरासत को बनाए रखा।

स्कूल ऑफ द विजडम (SOW) ने सितंबर 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान 30 से अधिक देशों के लगभग 200 सदस्यों का स्वागत किया, जिसमें अड्यार परिसर में और चुनिंदा ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से सत्र आयोजित किए गए। निदेशक, एरिका जॉर्जीएड्स के मार्गदर्शन में, गहन शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए ऑनलाइन सत्रों को जानबूझकर कम किया गया, जिससे व्यक्तिगत कक्षाओं पर अधिक जोर दिया गया जो केंद्रित अध्ययन, सार्थक संवाद और वास्तविक मानवीय संबंध विकसित करते हैं। प्रतिभागियों ने बार–बार साझा किया कि अड्यार का अद्वितीय आध्यात्मिक माहौल इसकी पवित्र भूमि, ऐतिहासिक स्थल और जीवंत समुदाय ने उनके अनुभव को बौद्धिक शिक्षा से कहीं अधिक गहरा किया। वर्ष के कार्यक्रम में डॉ. पाब्लो और मिशेल सेंडर के साथ ''द ट्रांसफॉर्मेटिव पावर ऑफ द सीक्रेट डॉक्ट्रिन'' मार्सेला पर्डेला और एडुआर्डो ग्रामागलिया के साथ ''लॉस पिलारेस डे ला सबिडुरिया एटर्ना'' डॉ. रवि रविंद्र के साथ ''हमारे दैनिक जीवन में आध्यात्मिक शिक्षाओं का अभ्यास'' भाई यू. एस. पांडे के साथ 'महात्मा पत्रों में अंतर्दृष्टि' और डॉ. एडी बिलिमोरिया द्वारा ऑनलाइन पाठ्यक्रम 'विज्ञान और गुप्त विज्ञान' शामिल थे। शिखर अग्निहोत्री द्वारा प्रत्येक बैच के लिए प्रेरणादायक कैंपस टूर आयोजित किए गए।

सुरेंद्र नारायण अभिलेखागार ने एक स्थिर वर्ष की सूचना दी, जिसमें टीएस सदस्यों और वैश्विक विद्वानों से दस्तावेजों, तस्वीरों और संबंधित सामग्रियों के लिए नियमित अनुरोध प्राप्त हुए। कन्वेंशन के दौरान, अभिलेखागार ने एक प्रदर्शनी प्रस्तुत की – एचपीबी की पेंटिंग्स, व्यंग्यात्मक रेखाचित्र और डूडल्स (लक्ष्यहीन चित्रकारी) – जिसकी प्रतिनिधियों ने गर्मजोशी से सराहना की। टीएस के सदस्य और व्यापक अड्यार समुदाय डॉ. गीता जयकुमार की अड्यार परिसर पर आने वाली पुस्तक की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

थियोसोफिकल ऑर्डर ऑफ सर्विस (TOS) ने उन 59 देशों में से 38 में सक्रिय उपस्थिति की सूचना दी जहाँ टीएस संचालित होता है। वेबसाइट को पूरी तरह से नया रूप दिया जा रहा है। फेसबुक जैसे सोशल चैनल और एक आने वाले इंस्टाग्राम अकाउंट को भविष्य में कम्युनिकेशन को मजबूत करने के लिए फिर से ऑर्गनाइज किया जा रहा है। रिटायरमेंट और लंबे समय से कोऑर्डिनेटर रहे आत्म त्रासी (Atma Trasi) के निधन के बाद इंग्लैंड, इटली, फ्रांस और कनाडा में लीडरशिप में बदलाव हुए। कई राष्ट्रीय सेक्शन ने कई पहलें शुरू कीं, जैसे अलग–अलग तरह से सक्षम बच्चों के लिए सहायता

कार्यक्रम और भारत में नेत्रदान अभियान, केन्या में छात्रों को स्पॉन्सरशिप, USA में पर्यावरण जागरूकता, और न्यूजीलैंड में बच्चों के प्रकाशनों के लिए सहायता मिली रिपोर्टों से महिलाओं के मुद्दों, शिक्षा, युवा जुड़ाव, पशु कल्याण, मानवीय सहायता, और हीलिंग ग्रुप्स की व्यापक गतिविधियों के प्रति निरंतर समर्पण पर प्रकाश डाला गया है। एक प्रमुख मील के पत्थर की तरह वैंकूवर में 5वां अंतर्राष्ट्रीय TOS सम्मेलन था, जिसमें अध्यक्ष टिम बॉयड, मुख्य वक्ता विक हाओ चिन, जूनियर, और 11 देशों के प्रस्तुतकर्ता शामिल थे, जिनके भाषण वर्ल्ड कांग्रेस की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

थियोसोफिकल पब्लिशिंग हाउस ने वर्ष के दौरान अपनी बिक्री बढ़ाई जिसे 149 वें कन्वेंशन के दौरान पूरी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उनसठ, पहले से स्टॉक से बाहर शीर्षकों के पुनर्मुद्रण द्वारा समर्थित किया गया था। वैंकूवर वर्ल्ड कांग्रेस के लिए दो महत्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशित की गईं; एच. पी. ब्लवात्स्की कलेक्टेड राइटिंग्स; माइकल गोम्स द्वारा संकलित रशियन सीरियल्स और प्रेसीडेंट टिम बॉयड द्वारा य ऑन द वर्ज ऑफ विजडम, जिनमें से दोनों प्री–ऑर्डर से अधिक बिक गईं। 30 सितंबर 2025 तक, की सदस्यताएं प्रकार थी; द थियोसोफिस्ट – भारत 633, विदेशों में 52 और अड्यार न्यूजलेटर – भारत 224, विदेशों में 73। विदेशी डाक दरों में भारी वृद्धि के कारण कई प्रिंट सब्सक्राइबरों ने सदस्यता रद्द कर दी।

वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ यंग थियोसोफिस्ट्स ने एक नए अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड के चुनाव के बाद अपने वैश्विक कार्य का विस्तार करना जारी रखा। आध्यात्मिक अध्ययन और सामुदायिक जुड़ाव का एक समृद्ध कार्यक्रम प्रमुख थियोसोफिकल ग्रंथों पर नियमित अध्ययन समूहों, ज्योतिष सत्रों और चल रही चर्चा श्रृंखला के माध्यम से बनाए रखा गया था। अतिरिक्त गतिविधियों में पैनल चर्चा, रचनात्मक कविता शाम और एक बढ़ता हुआ पॉडकास्ट (आडियो. वीडियो) संग्रह शामिल था। व्याख्यानों और अध्ययन सत्रों की रिकॉर्डिंग WFYT You&Tube चैनल के माध्यम से उपलब्ध कराई गई, जिससे इसके काम तक वैश्विक पहुंच का विस्तार हुआ। वर्ष के दौरान दो अंतर्राष्ट्रीय सभाएँ आयोजित की गईं, जिससे कई देशों के प्रतिभागियों के बीच अंतर्राष्ट्रीय संबंध और साझा ज्ञान मजबूत हुए। रीडिजाइन की गई वेबसाइट, <wfyt-org>, साथ gh WhatsApp] Instagram और Facebook पर सक्रिय जुड़ाव के माध्यम से आउटरीच और संचार में वृद्धि जारी रही। दुनिया भर में लगातार बढ़ते सदस्यों के साथ, WFYT युवा थियोसोफिस्टों के बीच अध्ययन, रचनात्मकता और जुड़ाव को बढ़ावा देना जारी रखे हुए है, साथ ही भविष्य की अंतर्राष्ट्रीय सभाओं की तैयारी भी कर रहा है।

टिम बॉयड

समाचार और नोट्स

दिल्ली

दिसंबर 2025 में शंकर लॉज, दिल्ली फेडरेशन के तत्वावधान में निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं; नेशनल लेक्चरर ब्रदर शिखर अग्निहोत्री ने 6 दिसंबर को 'HPB का सुझाव – अंतर्ज्ञान को कैसे विकसित करें' विषय पर एक ऑनलाइन भाषण दिया।

नेशनल लेक्चरर डॉ. राजीव गुप्ता ने 'मनोमय कोश' विषय पर एक भाषण दिया। यह 13 दिसंबर को लॉज में आयोजित किया गया था।

सिस्टर विभा सक्सेना ने 20 दिसंबर को ऑनलाइन 'एक वास्तविकता की गतिविधियाँ' – द सीक्रेट डॉक्ट्रिन का अध्ययन – भाग –I' के बारे में समझाया।

27 दिसंबर को डॉ. राजीव गुप्ता और डॉ. मानसी भगत द्वारा लॉज में दिए गए भाषण का विषय था 'मन कैसे काम करता है'।

गुजरात

8 नवंबर को भावनगर लॉज की पहली पाक्षिक बैठक में, सदस्यों ने श्री प्रदीप एच. गोहिल को थियोसोफिकल सोसाइटी के भारतीय अनुभाग के अध्यक्ष के रूप में लगातार चौथे कार्यकाल के लिए चुने जाने पर सम्मानित किया। समारोह में चार बार के पूर्व सांसद श्री राजेंद्रसिंह राणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन के दौरान श्री प्रदीप भाई ने सदस्यों से मानवीय परियोजनाओं को शुरू करने का आग्रह किया। बाद की पाक्षिक बैठक में प्रेरक वक्ता अरविंद त्रिवेदी ने कबीर के प्रसिद्ध उद्धरण 'घूंघट के पट खोल' पर एक विचारोत्तेजक भाषण दिया। कृष्णानगर लॉज के सदस्य दोनों बैठकों में शामिल हुए, जिससे अंतर–लॉज संबंध मजबूत हुए।

केरल

केरल थियोसोफिकल फेडरेशन ने 17 नवंबर को स्थापना दिवस मनाया। इसके अलावा, विभिन्न लॉज द्वारा निम्नलिखित विषयों / पुस्तकों पर चर्चा की गई; 'सोसाइटी का उद्देश्य, थियोसोफी', एट द फीट ऑफ द मास्टर। द वॉयस ऑफ द साइलेंस और 'थियोसोफिकल सोसाइटी का इतिहास'।

दिसंबर, 2025 के महीने में निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं; ब्रदर शिवादास द्वारा दिए गए दो भाषणों के विषय थे ''थियोसोफी के प्रकाश में तटस्थता'', और ''शाश्वत ज्ञान'', जिसके बाद चर्चा हुई।

सिस्टर लक्ष्मी बाई ने ''एट द फीट ऑफ द मास्टर'' पर आधारित ''आचरण के छह नियम'' समझाए। इसके बाद ''थियोसोफिकल सोसाइटी का तीसरा उद्देश्य'' विषय पर चर्चा हुई।

लॉज द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

कन्नूर के लॉज ने ''एट द फीट ऑफ द मास्टर'' पर अध्ययन और चर्चा पूरी कर ली है और अब ''द वॉयस ऑफ द साइलेंस'' पर अध्ययन शुरू कर दिया है।

वडकरा में ''द थियोसोफिकल सोसाइटी का दूसरा उद्देश्य'' पर चर्चा आयोजित की गई।

कोझिकोड के लॉज में ''द वॉयस ऑफ द साइलेंस'' पर अध्ययन और चर्चा आयोजित की गई। एनी बेसेंट की किताब ''द विजडम ऑफ द उपनिषद'' पर बातचीत लॉज में हुई और लॉज के सचिव भाई अनिल कुमार ने 'क्रिसमस और क्राइस्ट' पर बात की।

थ्रिसूर लॉज के तत्वावधान में 06 दिसंबर 2025 को ''द की टू थियोसोफी'' किताब की ऑनलाइन अध्ययन कक्षा आयोजित की गई। पालक्काड में ''थियोसोफी और द थियोसोफिकल सोसाइटी'' और ''थियोसोफी का अध्ययन'' पर ऑनलाइन बैठकें आयोजित की गईं।

एर्नाकुलम में फेडरेशन अध्यक्ष भाई शिवदास द्वारा 'जे. कृष्णमूर्ति की शिक्षाएं', पी. पावरी द्वारा लिखित ''थियोसोफी प्रश्न और उत्तर में समझाई गई'' और 'एचपीबी की शिक्षाएं' पर अध्ययन कक्षाएं आयोजित की गईं।

तिरुवनंतपुरम में जे.कृष्णमूर्ति की किताब ''इन बातों के बारे में सोचें'' पर चर्चा आयोजित की गई।

तमिल

धर्मपुरी, नागरकोइल, पुडुचेरी,कोराडाचेरी और उसूर के लॉज ने अक्टूबर 2025 से दिसंबर 2025 के बीच बैठकें आयोजित कीं। फिर, इसी अवधि के दौरान वसंतम लॉज और सथुवाचारी लॉज ने पाक्षिक बैठकें आयोजित कीं। वेल्लोर के राजा लॉज और लोटस लॉज ने उपरोक्त अवधि के दौरान हर महीने साप्ताहिक बैठकें आयोजित कीं।

टीएस का 150वां वर्ष निम्नलिखित लॉज द्वारा आयोजित किया गया:

कोयंबटूर मेन लॉज 24 सितंबर 2025 को, धर्मपुरम लॉज 2 अक्टूबर को, वसंतम लॉज, सथुवाचारी (VUR) 4 अक्टूबर 25 और श्री कृष्ण लॉज, पुडुचेरी 20 दिसंबर 25 को मनाया। बैठक में भाई स्वामिनाथ भारती को सार्वजनिक जीवन के साथ–साथ थियोसोफिकल सोसाइटी में उनकी उत्कृष्टता के लिए 10,000/– रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। स्पेन के विदेशियों ने 18.12.25 को मदुरै लॉज और उसकी लाइब्रेरी का दौरा किया।

तमिल फेडरेशन के दस सदस्यों ने 10/11 अक्टूबर 25 को अड्यार मुख्यालय में आयोजित भारत समाज पूजा के शताब्दी समारोह में भाग लिया।

अन्य गतिविधियाँ: धर्मपुरी लॉज की बहन देसी धर्मलिंगम ने अक्टूबर और दिसंबर 2025 के बीच 42,000/– रुपये खर्च करके धर्मपुरी के सरकारी अस्पताल में मरीजों के साथ आए लोगों को हर महीने अलग–अलग तारीखों पर मुफ्त नाश्ता प्रदान किया।

भाई पी. देवराजन, फेडरेशन सेक्रेटरी ने 20 अक्टूबर 25 को षष्ठी के अवसर पर श्री दंडायुधपाणि मंदिर, लालिगम में 1,500/– रुपये की लागत से 100 लोगों को भोजन कराया।

शिवगंगा लॉज के भाई वी. थंगामणि ने 16.11.25 को अपनी शादी की सालगिरह के अवसर पर GNS अनाथालय के बच्चों को भोजन कराया।

अन्नई लॉज, कोराडाचेरी के सेक्रेटरी भाई आर. पकिरिसामी ने इस तिमाही के दौरान 94 तिरुमुराई छात्रों को भोजन कराया।

नागरकोइल लॉज के प्रेसिडेंट भाई, डॉ.ए. के. अपथुकथा पिल्लई ने 07 दिसंबर 25 को अपनी 51वीं शादी की सालगिरह के अवसर पर ऊट्टुवाझ मठ में DEJASVI अनाथालय के बच्चों को दोपहर का भोजन कराया।

उत्कल

फेडरेशन ने 17 नवंबर को थियोसोफिकल सोसाइटी की 150वीं वर्षगांठ मनाई। अंतर्राष्ट्रीय वाइस–प्रेसिडेंट डॉ. दीपा पाधी मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने ''थियोसोफी के 150 साल; ''प्रकाश और भाईचारे की एक यात्रा'' विषय पर भाषण दिया। इसके बाद तीन भाषण हुए: भाई प्रदीप कुमार महापात्रा ने 'कर्नल ओल्कोट और थियोसोफिकल सोसाइटी' पर बात की, बहन पौर्णमासी पटनायक ने 'मैडम ब्लावत्स्की और थियोसोफी' के बारे में बात की और भाई पार्थ सारथी सारंगी के भाषण का विषय था 'थियोसोफी को लोकप्रिय बनाने में एनी बेसेंट का योगदान'। UTF के प्रेसिडेंट डॉ. चित्तरंजन सत्पथी ने दर्शकों को संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन बहन मितालीनी ने दिया।

TS की 150वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर 18 से 26 नवंबर तक ऑनलाइन भाषणों की एक विशेष श्रृंखला आयोजित की गई। कार्यक्रम का विषय ''थियोसोफी, थियोसोफिकल सोसाइटी, और इसके पायनियर्स'' था और वक्ता और उनके भाषणों के विषय थे भाई प्रदीप महापात्रा – 'थियोसोफी और थियोसोफिकल सोसाइटी';– बहन पौर्णमासी – ''एच.पी.बी और थियोसोफी''; बहन मितालिनी – ''एच.एस. ओल्कोट और थियोसोफिकल सोसाइटी में उनका योगदान'' भाई प्रमोद मिश्रा – ''डॉ. एनी बेसेंट'' भाई सत्यब्रत – ''सी.डब्ल्यू. लेडबीटर'' डॉ. पार्थ सारथी प्रसाद सारंगी – ''भाई एन. श्री राम'' बहन सुव्रलिना मोहंती – ''भाई सी. जिनराजदासा'' डॉ. चित्तरंजन सतपथी – ''डॉ. राधा बर्नियर'' डॉ. चिन्मयी महापात्रा – ''भाई जॉन कोट्स और भाई जी.एस. अरुंडेल'' और भाई ध्रुव प्रसाद पांडा – ''डॉ. आई.के. तैमनी''।

फेडरेशन ने 21 से 30 नवंबर तक कलिंग बुक फेयर में भाग लिया। इससे थियोसोफिकल किताबों को बेचने और वितरित करने का शानदार अवसर मिला। इस अवसर पर थियोसोफी पर कई किताबें बेची गईं।

बहन मितालिनी ने 8 दिसंबर को 'उत्कल थियोसोफिकल सोसाइटीः इसके पायनियर्स और उनके योगदान' विषय पर एक ऑनलाइन लेक्चर दिया।

फेडरेशन हर रविवार को सुबह 9.30 बजे से 10.30 बजे तक 'सेल्फ कल्चर' किताब पर स्टडी क्लास चला रहा है। इसके अलावा, नए सदस्यों के लिए हर गुरुवार को श्री गुरु चरणेषु किताब पर स्टडी क्लास चलाई जाती है। अक्टूबर और दिसंबर 2025 के बीच बाराबती लॉज में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए; लॉज के अध्यक्ष डॉ. प्रफुल्ल कुमार दास ने 13 अक्टूबर को 'ब्रह्म और ब्रह्मा' विषय पर बात की। लॉज के सचिव श्री बीएस मोहंती ने 'कर्म का नियम' विषय पर बात की, जो 25 अक्टूबर को बाराबती लॉज बिगिनर्स मीट में VDO कॉन्फ्रेंस मोड में आयोजित हुई। श्री प्रबीर पटनायक ने 27 अक्टूबर को 'बौद्धगुरु पद्मसंभव' विषय पर बात का पहला भाग प्रस्तुत किया। फिर, उन्होंने 3 नवंबर को उसी विषय पर दूसरी बात की।

प्रोफेसर डॉ. निरंजन साहू ने 10 नवंबर को 'व्यक्तित्व की विशिष्टता' विषय पर बात की। लॉज ने 17 नवंबर को स्थापना दिवस मनाया।

भाई बी.डी. तेंदुलकर की 'व्यक्ति और व्यक्तित्व' विषय पर दो ऑनलाइन बार्ताएं 17 नवंबर और 1 दिसंबर को हुईं। इसके अलावा, उन्होंने 8 दिसंबर को 'काम मनस और मनस तैजसी (Taijasi)' पर बात की।

22 दिसंबर को प्रोफेसर श्री सहदेव पात्रो की बात का विषय 'थियोसोफी और थियोसोफिकल सोसायटी' था। कटक लॉज ने हर हफ्ते 4 दिनों तक स्टडी क्लास चलाईं। भारत समाज पूजा की शताब्दी मनाने के लिए, लॉज ने 21 दिसंबर को भारत समाज पूजा का आयोजन किया और इस अवसर पर पूजा बहन पौर्णमासी पटनायक ने की।

राष्ट्रीय व्याख्याता डॉ. रचना श्रीवास्तव ने ''थियोसोफी इन एक्शन—एक करुणा सभ्यता का निर्माण'' विषय पर व्याख्यान दिया, जो 30 दिसंबर को कटक लॉज में आयोजित हुआ।

लॉज ने 5 से 10 नवंबर तक ऐतिहासिक बालिजात्रा पुस्तक मेले में भाग लिया और छात्रों और समर्थकों को कई थियोसोफिकल किताबें वितरित कीं।

सिद्धार्थ लॉज ने 9 नवंबर को UTF बिल्डिंग में अपना 60वां सालाना सम्मेलन मनाया। डॉ. चित्तरंजन सतपथी मुख्य अतिथि थे और उन्होंने ''अकेले से अकेले की ओर'' विषय पर भाषण दिया। इसके अलावा, ''थियोसोफी मेरी यात्रा में कितनी मदद करती है'' विषय पर छोटी—छोटी बातचीत भी हुई। वक्ता थे — भाई बिनय, बहन सबिता, बहन संध्या और बहन मनस्विनी।

भाई प्रह्लाद चंद्र महापात्र मेमोरियल स्टडी क्लास 26 नवंबर को भुवनेश्वर के सिद्धार्थ लॉज में राष्ट्रीय लेक्चरर बहन सुव्रलिना मोहंती द्वारा आयोजित की गई थी। अध्ययन के लिए पुस्तक भाई एन. श्री राम की ''थियोसोफिकल सोसायटी का वास्तविक कार्य'' थी।

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड

नवंबर 2025 के महीने में हर गुरुवार को लखनऊ के धर्म लॉज में 'द पाथ ऑफ डिसिपलशिप' किताब का अध्ययन किया गया। इसके अलावा, भाई यू.एस. पांडे ने 17 नवंबर को टी.एस. के स्थापना दिवस को मनाने के लिए लॉज द्वारा आयोजित बैठक में एक भाषण दिया और फिर, 3 और 17 दिसंबर को उसी स्थान पर भाई यू.एस. पांडे के दो भाषण 'थियोसोफी द डिवाइन विजडम' और 'विंटर सोल्स्टिस, क्रिसमस और मकर संक्रांति' विषयों पर हुए। भाई बी.के. पांडे ने 3 दिसंबर को 'मनुष्य के सात शरीर' के बारे में बताया। भाई अशोक कुमार गुप्ता के 17 और 31 दिसंबर को दिए गए दो भाषणों के विषय 'प्राण' और जीवन की योजना, विकास और उद्देश्य' थे।

बहन वसुमति अग्निहोत्री के लखनऊ के प्रज्ञा लॉज में दिए गए तीन भाषणों के विषय 'प्रैक्टिकल ऑकल्टिज्म', 'शंकराचार्य' और 'प्राण' थे। ये भाषण क्रमशः 9, 23 और 29 नवंबर को हुए। फिर, उन्होंने 14 और 28 दिसंबर को 'प्राण', 'गंधर्व और देव' के बारे में बात की।

भाई एच. बी. पांडे ने 'सनातन धर्म में अवतारवाद' पर एक भाषण दिया, जो 6 नवंबर को आगरा के निर्वाण लॉज में हुआ। भाई देवेंद्र बाजपेयी ने 20 नवंबर को 'भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताएं' समझाईं। 27 नवंबर को उसी स्थान पर भाई विनोद शर्मा के भाषण का विषय 'वेदांत दर्शन' था। भाई प्रवीण मेहरोत्रा का 'आनंद' पर भाषण 11 दिसंबर को लॉज में हुआ और भाई आर.सी. रावत ने 18 दिसंबर को 'थियोसोफी जैसा कि मास्टर्स इसे देखते हैं' के बारे में बताया। 17 नवंबर को लॉज में टी.एस. का स्थापना दिवस मनाया गया। इसके अलावा, 13 नवंबर, 4 और 25 दिसंबर को लॉज में 'दर्शन', 'सत्य' और 'ओ हिडन लाइफ' विषयों पर संगोष्ठियों का आयोजन किया गया।

भाई ए.पी. श्रीवास्तव का भाषण सर्वहितकारी लॉज, गोरखपुर में हुआ, जिसका विषय 'वैदिक काल' था। भाई आर.पी. सिंह ने 'जीवन के महत्वपूर्ण तत्वों' के बारे में बताया और भाई अजय राय ने उसी स्थान पर 'शाश्वत यात्रा' के बारे में बात की। ये तीनों भाषण क्रमशः 12, 19 और 26 नवंबर को लॉज में दिए गए। भाई एस.बी.आर. मिश्रा के 'मनुष्य के सात तत्व' और 'मनोविज्ञान' पर भाषण उसी स्थान पर 3 और 10 दिसंबर को हुए। भाई अरविंद राय ने 17 और 24 दिसंबर को 'मनुष्य के शरीर' के बारे में बताया। उनका 'ब्रह्म विद्या' विषय पर एक भाषण जगदीशपुर जिला गोरखपुर में 7 दिसंबर को हुआ और फिर, उन्होंने

14 दिसंबर को सनातन धर्म लॉज में 'धर्म और आध्यात्मिकता' के बारे में बात की।

भाई एस.बी.आर. मिश्रा ने 9 नवंबर को सनातन धर्म लॉज में 'संख्या सात का आध्यात्मिक महत्व' समझाया। उनके अन्य भाषण 'थियोसोफी परोपकार है' विषय पर थे, जो 16 नवंबर को देवरिया में ब्रह्मविद्या लॉज में हुए। और फिर, उन्होंने 26 नवंबर को सत्यदर्शन लॉज, जोगिया में 'इस्लाम के सुसमाचार' के बारे में भाषण हुआ।

'थियोसोफी का गूढ विद्यालय', 'अपने सच्चे स्वरूप की खोज' और 'थियोसोफिकल सोसाइटी की कार्यप्रणाली' पुस्तिकाओं का अध्ययन क्रमशः 5, 16 और 24 नवंबर को मिर्जापुर के नारायण लॉज में किया गया। फिर, 'द की टू थियोसोफी' पुस्तक का अध्ययन लॉज में भाई महेंद्र कुमार श्रीवास्तव द्वारा क्रमशः 7 और 14 दिसंबर को किया गया।

भाई शेषनाथ त्रिपाठी ने 'संख्या सात का आध्यात्मिक महत्व' विषय पर एक भाषण दिया जो 28 नवंबर को ब्रह्मविद्या लॉज जिगिना बांसगांव में आयोजित किया गया था।

भाई विनयमोहन त्रिपाठी ने 29 नवंबर को आयोजित छोटूभुज लॉज, बांसगांव की बैठक में 'वेदांत में तत्वमीमांसा' के बारे में बताया।

भाई शिव बरन सिंह ने 'सात किरणें' विषय पर एक भाषण दिया जो 2 नवंबर को चौहान लॉज, कानपुर में आयोजित किया गया था। उसी स्थान पर 16 नवंबर को दिए गए उनके दूसरे भाषण का विषय 'विनम्रता' था। टीएस इंटरनेशनल मुख्यालय द्वारा फाउंडेशन दिवस पर जारी की गई एक फिल्म 'वन फायर' को चौहान लॉज के सदस्यों ने 26 नवंबर को देखा। बहन शैली सिंह ने 'हमारे विचारों के रूप' विषय पर एक भाषण दिया और दूसरा भाषण 'व्यावहारिक थियोसोफी' पर दिया जो क्रमशः 7 और 21 दिसंबर को चौहान लॉज में आयोजित किए गए थे। 'भारत समाज पूजा का महत्व' भाई एस.के. पांडे द्वारा 14 दिसंबर को समझाया गया।

भाई वरुण माहेश्वरी ने 2 नवंबर को नोएडा लॉज में 'मृत्यु और उसके बाद' पुस्तक का अध्ययन किया। फिर, उन्होंने 7 दिसंबर को 'कर्म का रहस्य' पुस्तक का अध्ययन किया। बहन ललिता खत्री ने वहां 16 नवंबर को एक भाषण दिया जिसमें उन्होंने 'टी.एस. का इतिहास' के बारे में बात की। 'दैनिक जीवन में लागू थियोसोफी की शिक्षा' विषय पर एक समूह चर्चा 21 दिसंबर को वहां आयोजित की गई थी।

बहन इंदु सूद ने ग्रेटर नोएडा के मैत्रेय लॉज में 'द लॉज ऑफ हायर लाइफ' एनी बेसेंट द्वारा लिखित किताब का अध्ययन करवाया। 7 और 21 दिसंबर को किताब के जिन अध्यायों का अध्ययन किया गया, वे थे 'द लार्जर कॉन्शसनेस', 'द लॉ ऑफ ड्यूटी' और 'द लॉ ऑफ सैक्रिफाइस'।

'हिंट्स ऑन द स्टडी ऑफ द भगवद गीता' किताब का अध्ययन क्रमशः 2, 9 और 16 नवंबर को गाजियाबाद के प्रयास लॉज में किया गया। डॉ. मानसी भगत ने 23 नवंबर को वहाँ एक भाषण दिया और जिस विषय पर उन्होंने बात की, वह था 'साधक के लिए थियोसोफी – गोल्डन स्टेयर्स'। सिस्टर सुव्रलिना मोहंती ने 7 और 28 दिसंबर को 'थियोसोफी का व्यवहार दर्शन' और 'द यूनिवर्सल लॉ ऑफ लाइफ' पुस्तिकाओं का अध्ययन करवाया। सिस्टर संध्या रानी उन्होंने 21 दिसंबर को वहाँ एक भाषण दिया जिसमें उन्होंने 'जे. कृष्णमूर्ति के जीवन' के बारे में बात की।

बहन अर्चना पांडे का 'एस्ट्रल प्लेन भाग–2' और 'एस्ट्रल प्लेन भाग–3' विषय पर भाषण 2 और 16 नवंबर को आनंद लॉज प्रयागराज में हुआ। फिर, उन्होंने क्रमशः 7 और 14 दिसंबर को किताब के भाग–4 और भाग–5 के बारे में बात की। भाई सुदीप मिश्रा ने 9 नवंबर को वहाँ 'सत्य से बड़ा कोई धर्म नहीं है' विषय पर बात की। बहन सुषमा श्रीवास्तव द्वारा 21 दिसंबर को दिए गए भाषण का विषय 'देवाचन प्लेन' था। लॉज ने 17 नवंबर को टी.एस. का स्थापना दिवस मनाया।

बहन सुषमा श्रीवास्तव ने 8 नवंबर को महिला धर्म लॉज, प्रयागराज के तत्वावधान में आयोजित बैठक में 'टी.एस. का प्रतीक' विषय पर भाषण दिया।

काशी तत्व सभा केटीएस ने 'पेंटिंग के माध्यम से थियोसोफी' कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें वाराणसी के एनी बेसेंट स्कूल के कुछ छात्रों ने एच.पी. ब्लावत्स्की, एनी बेसेंट और धार्मिक प्रतीकों की पेंटिंग बनाई। 3 नवंबर को आयोजित एक कार्यक्रम में छात्रों को भागीदारी और प्रशंसा प्रमाण पत्र दिए गए। इसके अलावा, 17 नवंबर को वसंत कन्या महाविद्यालय वीकेएम, वाराणसी के छात्रों के लिए थियोसोफी / थियोसोफी के उद्देश्य विषय पर एक पेंटिंग मेला आयोजित किया गया।

25 नवंबर को एनी बेसेंट लॉज, वाराणसी में 'सपना और चेतना' विषय पर एक समूह चर्चा आयोजित की गई।

सार्वजनिक भाषण

भाई एस.बी.आर. मिश्रा ने 'थियोसोफी का परिचय' विषय पर एक सार्वजनिक भाषण दिया। यह 5 नवंबर को जगदीशपुर गांव जिला गोरखपुर में एक सभा के सामने आयोजित किया गया था।

भाई यू.एस. पांडे ने नागरिकों के एक समूह को 'थियोसोफी क्या है?' के बारे में समझाया। यह भाषण 5 नवंबर को पटना में भाई अजीत प्रसाद सिन्हा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में दिया गया था। इसके अलावा, भाई यू.एस. पांडे ने 'रोजमर्रा की जिंदगी में आध्यात्मिकता' विषय पर अतिथि वक्ता के रूप में वार्ता की। यह वार्ता 9 नवंबर को लखनऊ में पिरामिड मेडिटेशन चैनल PMC

द्वारा आयोजित ध्यान महा यज्ञ के दौरान हुई। फिर, उन्होंने जीरकपुर पंजाब में नागरिकों के एक ग्रुप के सामने 'थियोसोफिकल सोसाइटी की स्थापना का इतिहास और उद्देश्य' विषय पर बात की। इसका आयोजन 15 दिसंबर को बहन सुनीता गहरोत्रा/ब्रदर अशोक गहरोत्रा नोएडा लॉज के सीनियर सदस्य, जो अब वहाँ शिफ्ट हो गए हैं द्वारा किया गया था।

सिस्टर इंदु सूद ने 'उच्च जीवन का नियम' विषय पर बातचीत की, जो 22 और 24 दिसंबर को PMC ग्रुप प्लेटफॉर्म पर दो ऑनलाइन सेशन में हुई।

ब्रदर एस.के. पांडे ने 'पुनर्जन्म' विषय पर एक पब्लिक टॉक दी, जो सत्यमार्ग लॉज के तत्वावधान में 16 नवंबर को लखनऊ में आयोजित की गई थी। ।

छात्रों/शिक्षकों/युवाओं को संबोधन

भाई एसबीआर मिश्रा ने 'चरित्र निर्माण' विषय पर एक वार्ता दी। यह 21 नवंबर को जेपी नर्सिंग कॉलेज, गोरखपुर में आयोजित किया गया था। इसके अलावा, उन्होंने 14 दिसंबर को जीवीवीपी इंटरनेशनल स्कूल गोरखपुर में इसी विषय पर बात की।

ओल्कोट' और यह वसंत कन्या महाविद्यालय (VKM) में वैल्यू–एडेड प्रोग्राम के हिस्से के तौर पर हुआ। काशी तत्व सभा के सदस्य भी भाई यू.एस. पांडे की ऊपर बताई गई दो बातचीत में शामिल हुए, जिन्हें लॉज ने 29 नवंबर को VKIC और VKM के प्रांगण पर ऑर्गनाइज किया था।

स्टडी कैंप

भाई यू.एस. पांडे ने 4 नवंबर को एनी बेसेंट स्कूल के भारतीय खंड, मुख्यालय वाराणसी के छात्रों और शिक्षकों के एक समूह को 'जीवन की एकता' के बारे में समझाया। उन्होंने 29 नवंबर को वसंत कन्या इंटर कॉलेज (वीकेआईसी) के छात्राओं और शिक्षकों को संबोधित किया और 'थियोसोफी के लिए अभिविन्यास' पर एक वार्ता दी। फिर, उसी दिन, डॉ कुमुद रंजन ने 'कर्नल ऑलकॉट के जीवन और कार्य' के बारे में बात की और यह वसंत कन्या महाविद्यालय (वीकेएम) में मूल्यवर्धित कार्यक्रम के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया यू. एस. पांडे द्वारा निर्देशित, जो 29 नवंबर को वीकेआईसी और वीकेएम के परिसर में लॉज द्वारा आयोजित किए गए थे।

अध्ययन शिविर

भाई एस. के. पांडे ने 'पुनर्जन्म' विषय पर एक दिवसीय अध्ययन शिविर का निर्देशन किया। यह चौहान लॉज, कानपुर और तपस्या लॉज द्वारा संयुक्त रूप से 9 नवंबर को गंगा घाट, उन्नाव में आयोजित किया गया था। इसके अलावा, भाई एस. के. पांडे ने 'लाइट ऑन द पाथ' पुस्तक के अध्ययन का निर्देशन किया, जो क्रमशः 14, 15 और 16 नवंबर को प्रज्ञा लॉज, लखनऊ द्वारा

आयोजित किया गया था।

चंडीगढ लॉज (भारतीय खंड से जुडा): इस लॉज के सभी सदस्यों की सदस्यता, अब तक समाप्त हो गई है क्योंकि उन्होंने अपनी सदस्यता का नवीनीकरण नहीं कराया है। वहां की एक वरिष्ठ (पूर्व) सदस्य बहन उर्मिला शर्मा के निमंत्रण पर, भाई यू. एस. पांडे ने 14 दिसंबर को लॉज का दौरा किया और वहां ''थियोसोफिकल सोसाइटी की स्थापना का इतिहास और उद्देश्य'' विषय पर एक वार्ता दी।

भारतीय अनुभाग कार्यक्रम में योगदान

बहन अर्चना पांडे ने 9 नवंबर को एक ऑनलाइन टॉक दी जिसमें उन्होंने 'थियोसोफी की रोशनी में अदृश्य सहायकों का दिव्य सत्य' के बारे में बात की।

बहन सुषमा श्रीवास्तव ने 23 नवंबर को 'द क्वेश्चन ऑफ गाइडेंस' (सेल्फ–कल्चर किताब का 26वां चैप्टर) टॉपिक पर ऑनलाइन टॉक दी।

भाई यू.एस. पांडे ने 14, 15 और 16 नवंबर को ऑनलाइन स्टडी की और स्टडी के लिए जो किताब ली गई वह थी 'ब्रह्म–सूत्र' (इंट्रोडक्शन और चैप्टर 1) ऑनलाइन चैप्टर II, III, IV की स्टडी

इसी किताब पर 5, 6, 7, 12 और 13 दिसंबर को भाई यू.एस. पांडे ने एक के बाद एक तीन स्टडी कीं।

बहन विभा सक्सेना ने 'लेटर फ्रॉम द मास्टर्स ऑफ विजडम' – दूसरी सीरीज (लेटर नंबर 19 से 25) की स्टडी की। यह ऑनलाइन स्टडी 21 और 28 नवंबर को हुई।

बहन सुव्रलीना मोहंती ने 'युवाओं में थियोसोफी फैलाने के तरीके' टॉपिक पर एक ऑनलाइन टॉक दी, जो 21 दिसंबर को हुई।

इंडियन सेक्शन, TS के प्रोग्राम, ZOOM ऑनलाइन पर हुए।

डॉ. एनी बेसेंट के जन्मदिन (1 अक्टूबर) के मौके पर ये तीन टॉक हुईं: भाई दर्शन झा ने 'एनी बेसेंट – एक महान शिक्षाविद' के बारे में बात की। प्रो. रचना श्रीवास्तव की टॉक 'एनी बेसेंट – एक महान सोशल रिफॉर्मर' पर थी। और, भाई एन.सी. कृष्णा के टॉक का सब्जेक्ट 'एनी बेसेंट – एक महान थियोसोफिस्ट' था। बहन पूजा गोले मॉडरेटर थीं।

भाई प्रदीप महापात्रा ने 3 अक्टूबर को 'लेटर्स फ्रॉम द मास्टर्स ऑफ द विजडम' (दूसरी सीरीज) किताब से महात्मा लेटर्स नंबर 7 और 8 की स्टडी करवाई। फिर, उन्होंने 17 अक्टूबर को उसी किताब के लेटर नंबर 11 की स्टडी करवाई।

डॉ. राजीव माथुर ने 3 अक्टूबर को हिंदी में स्टडी क्लास ली और इस उद्देश्य के लिए 'सेल्फ–कल्चर' किताब ली गई।

बहन विमल बालचंदर ने 4 अक्टूबर को 'लेटर्स फ्रॉम द मास्टर्स ऑफ द विजडम' (दूसरी सीरीज) किताब के लेटर नंबर 9 और 10 की स्टडी की। इसके अलावा, उन्होंने 7 नवंबर 2025 को लेटर नंबर 14 से 18 का विषय समझाया।

भाई एन.सी. कृष्णा ने 'लेटर्स फ्रॉम द मास्टर्स ऑफ द विजडम' किताब के लेटर नंबर 12 और 13 पर स्टडी की।

फाउंडेशन डे के मौके पर इन तीन स्पीकर्स ने ऑनलाइन वार्ता दी; भाई अर्नी नरेंद्रन ने 'थियोसोफिकल सोसाइटी के 150 साल' के बारे में बात की। भाई आदि केशव शास्त्री के वार्ता का विषय था 'आज के हालात में थियोसोफी को कैसे फैलाया जाए' और बहन विमल बालचंदर ने 'थियोसोफिकल सोसाइटी का महत्व और प्रासंगिकता समझाया।

साउथ इंडियन कॉन्फ्रेंस

तारीखें: 3 – 5 अप्रैल 2026

स्थान ब्लावात्स्की बंगला, ग्राउंड फ्लोर, टीएस अड्यार

रजिस्ट्रेशन शुरू: 2 फरवरी 2026 सुबह 10 बजे

रजिस्ट्रेशन लिंक: https://rzp-io/rzp/mhÛLlysk (एक्टिव हो जाएगा) फरवरी 2026 को सुबह 10 बजे) रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 20 मार्च 2026 है। आखिरी मिनट में कोई निवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कैंसलेशन की आखिरी तारीख 20 मार्च 2026 है (इसके बाद कोई रिफंड नहीं मिलेगा)

कैंसलेशन फीस– 20 मार्च 2026 तक 300 रुपये कैंसलेशन फीस, अगर 20 मार्च 2026 के बाद कैंसिल किया जाता है तो कोई रिफंड नहीं मिलेगा।

पहले आओ पहले पाओ के आधार पर। ग्राउंड फ्लोर पर सीमित बेड। रजिस्ट्रेशन से संबंधित किसी भी सवाल के लिए, कृपया इस ईमेल पर भेजें: sicadyarts@gmail-com

102वें दक्षिण भारत सम्मेलन के लिए रजिस्ट्रेशन के पैकेज विकल्प यह पैकेज 2 अप्रैल डिनर से 6 अप्रैल ब्रेकफास्ट तक है।

A. लेडबीटर चैंबर्स A/C पैकेज – 5,500 रुपये प्रति व्यक्ति, केवल सदस्यों के लिए – सीमित बेड (इसमें रजिस्ट्रेशन फीस, LBC AC आवास और भोजन शामिल है)

B. लेडबीटर चैंबर्स बिना A/C पैकेज – 4,300 रुपये प्रति व्यक्ति, केवल सदस्यों के लिए (इसमें रजिस्ट्रेशन फीस, LBC नॉन AC आवास और भोजन शामिल है)

C. न्यू क्वाड्रैंगल आवास पैकेज – 3,100 रुपये प्रति व्यक्ति, केवल सदस्यों के लिए (इसमें रजिस्ट्रेशन फीस, NQ आवास और भोजन शामिल है)

D. बेसिक आवास पैकेज – 2,100 रुपये प्रति व्यक्ति, केवल सदस्यों के लिए (इसमें रजिस्ट्रेशन फीस, डॉरमेट्री आवास और भोजन शामिल है)

E. केवल उपस्थिति के लिए रजिस्ट्रेशन – 300 रुपये प्रति व्यक्ति (इसमें कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए जारी रजिस्ट्रेशन फीस शामिल है, बिना रहने या पहले से बुक किए गए खाने के – खाना मौके पर खरीदा जा सकता है 24 घंटे पहले जानकारी देने पर)

शिखर अग्निहोत्री
प्रदीप महापात्रा

नोटिफिकेशन

इंडियन सेक्शन के प्रेसिडेंट ने भाई एस.एल.दार का नाम इंडियन सेक्शन (HQ) के सेक्रेटरी के तौर पर और भाई प्रदीप कुमार महापात्रा का नाम जनवरी 2026 से दिसंबर 2028 तक ऑफ–लाइन और ऑन–लाइन प्रोग्राम के लिए सेक्रेटरी के तौर पर 3 जनवरी 2026 को अड्यार में हुई इंडियन सेक्शन की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग में प्रस्तावित किया। इसे एग्जीक्यूटिव कमेटी ने मंजूरी दे दी।

भारतीय अनुभाग परिषद के सदस्यों की सूची वर्ष 2026, 2027 और 2028 के लिए

असम

भाई बिपुल सरमा	चक्रवर्ती लेन, ताराजन, जोरहाट, असम, पिन– 785 001 फोन 91011–34957, 94357–57432 ईमेल–drkanaibs@gmail-com
भाई गोकुल च, डेका	इंडस्ट्री रोड, पी.ओ. गोपाल बाजार, जिला, नलबाडी, पिन– 781 353, नंबर 91–87248 59148 ईमेल–goculdeka3@gmail-com
भाई रमेश महंत	सतीपुर हिलसाइड, प्रोफेसर कॉलोनी, मकान नंबर 23, पी.ओ. भरलुमुख, जिला कामरूप (एम), पिन –781 009 मोबाइल नंबर 94354 01800 ईमेल– ramesh65mahanta@gmail-com

बंगाल

बहन. जयश्री दास	प्रभारी, आईओसी साहपुर कॉलोनी, बंकिम

चटर्जी, सारणी,
न्यू अलीपुर, कोलकाता–700 053
मोबाइल नंबर 70036 47465
ईमेल– jayasri-das07@gmail-com

बिहार

प्रो राज किशोर प्रसाद — पूर्व प्राचार्य, आदर्श नगर, रोड नंबर 3 ए, समस्तीपुर, बिहार–848101,
मो.नं.09835643048
ईमेल – rkçlknsamastipur@gmail-com

भाई अमृत प्रियदर्शी — एनी बेसेंट मिलिट्री अकादमी
म्यूनिसिपल चौक के पास, थियोसोफिकल सोसायटी कैम्पस, छपरा, बिहार– 841 301
मोबाइल नंबर 8199921395
ईमेल– amy-crooz@gmail-com

बंबई

भाई तरल मुंशी — सी 101, बिल्डिंग नंबर 19, न्यू डिंडोशी गार्डन हिल सीएचएस लिमिटेड। न्यू महादा कॉलोनी, गोरेगांव पूर्व मुंबई– 400 065, महाराष्ट्र
मोबाइल नंबर 84509 11118
ईमेल–taralmunshi2001@yahoo-com

दिल्ली

श्रीमती मीना ठाकुर — 566, यूजी फ्लोर, मुकीमपुरा,
सब्जी मंडी, (घंटाघर), दिल्ली– 110 007
मोबाइल नंबर 09873111242
ईमेल– meenathakur1953@gmail-com

गुजरात

भाई हर्षवदन मोहनलाल शेठ — 9, अपूर्व बंगला, बीध्एच शारदा स्कूल, सोला रोड, मेमनगर, अहमदाबाद–380 052, गुजरात
मों. नंबर 9824073678
ईमेल–Harshavadan_sheth@yahoo-co-uk

भाई सी.के. सोनी — बी/3 बॉम्बे सोसायटी, महावीरनगर,
हिम्मतनगर 383001
मो.नं.98255 90543
ईमेल – cksoni1205@gmail-com
भाई नरेशभाई ए. त्रिवेदी

भाई सी.के. सोनी — बी/3 बॉम्बे सोसायटी, महावीरनगर,
हिम्मतनगर 383001
मो.नं.98255 90543
ईमेल – cksoni1205@gmail-com

भाई नरेश ए. द्विवेदी — 305 नन्दनवन अर्पातमेन्ट
द्वारकाधीश मार्केट, सामने सरदार व
जूनागढ़–262001
मो.नं. 9879065200
ईमेल – nareshtrivedi82@gmail-com

कर्नाटक

भाई एस जी सनतकुमार — अध्यक्ष, के.टी.एफ
112/4, डायग्नल रोड, वीवीपुरम,
बैंगलोर – 560 004।
मो.नं. 89704 31145
ईमेल–sanathkumar-sg@gmail-com

भाई टीश्रीनिवास — उपाध्यक्ष, के.टी.एफ.
नंबर 325, रेडिएंट एन्क्लेव, सनसिटी रोड,
केंगेरी उपनगर, बेंगलुरु – 560 060
मोबाइल नंबर 94484 48236
ईमेल– thamasri@gmail-com

भाई एम एस श्रीधर — सचिव, के.टी.एफ.
वें सेंट क्रमांक 426/2, 6 क्रॉस एंड, 1 बी मेन रोड, के एच बी कॉलोनी बस स्टॉप के पास, प्रशांत नगर बैंगलोर – 560 079
मोबाइल नंबर 95353 27894
ईमेल– sridharamadapur7@gmail-com

भाई वेंकटचलपति — कोषाध्यक्ष, के.टी.एफ. फ्लैट नंबर 104. क्रमांक 1/3–1, टीएच इंडस पैराडाइज, 4 क्रॉस, 12वां मुख्य, लक्कसांद्रा एक्सटेंशन, विल्सन गार्डन, बैंगलोर – 560 030
मोबाइल नंबर 99025 47945
ईमेल– venkatachalapathi2023@gmail-com

भाई ए आर जनार्दन गुप्ता मुख्य जोनल आयोजक, के.टी.एफ. नंबर–231, कुथुमिनिलया, एम जी एक्सटेंशन, पीट, संथेमरूर रोड, अरकालगुड – 573 102, हासन जिला।
मोबाइल नंबर 9448413915, 9880898825
ईमेल– janardhanaguptajvs@gmail.com

केरल

भाई एस शिवदास	आर्य विहार, तेजस नगर ''पजावीड पीओ'' अल्लेप्पी,केरल– 688009 मोबाइल नंबर 94951 19366 ईमेल– 53shivadas@Gmail.com

म.प्र. और राजस्थान

डॉ दिव्यार्थ दुबे	थियोसोफिकल लॉज, फूल बाग, ग्वालियर–474007 मोबाइल नंबर 8890969696 ईमेल–hsdwivedi-gwl@gmail.com
श्री विजय सिंह,	40–पत्रकार कॉलोनी कोलार, भोपाल, मध्य प्रदेश, मोबाइल नंबर 9826011463 ईमेल– vijaysinghclasses@gmail.com

मद्रास

भाई विनय पात्री	नंबर 6, पहली मंजिल, जीवा रत्नम नगर, द्वितीय गली अडयार, चेन्नई–600020। मोबाइलः 9884913719 ईमेल–wineye2000@gmail.com

मराठी

भाई। संजय डी. पोटे	चिंतामणि अपार्टमेंट,प्लॉट नं.72, राइट भुदारी कॉलोनी, कोथरुड डिपो, पुणे–411038, मोबाइल नंबर 98237 24377, व्हाट्सएप नंबर 77449 10797 ईमेल– sanjaypotey@gmail.com

भाई अरुण एम. पालक्रुट	इंद्रप्रस्थ बिल्डिंग, ए–1/11, साई चौक के पास, न्यू सांगवी, पुणे–411061 मोबाइल नंबर 94220 36702 ईमेल– ampalkrut@gmail.com
भाई अशोक सोनोने	प्रमुख, पुस्तकालय विभाग सीताबाई कला विद्यालय अकोला–444001 मोबाइल नंबर 94217 55869 ईमेल– asonone67@gmailcom

रायलसीमा '''

तामिल

भाई चन्द्रशेखरन सी.	2/752 ज्ञान चंद्र कॉलोनी, धर्मपुरी–636 701 तमिलनाडु मोबाइल नंबर 94422 80798 ईमेल– chanru0913@gmail.com
भाई पी. मुरुगावेल	4/53बी, थम्माथुकोणम, एरुंबुकाडु, नागरकोइल – 4 मोबाइल नंबर 94895 05460 ईमेल– murugavel-ngl@gmail.com

तेलुगू

भाई के.एस. रामचंद्र राव,	अध्यक्ष, द तेलुगु फेडरेशन डी. नं. 7–47–34, 11वां वार्ड, धनम्मा मंदिर स्ट्रीट, ताडेपल्लीगुडेम – 534 101 मोबाइल नंबर 98493 05384 ईमेलः karri1875@gmail.com
भाई पी. रघुराम राव	फ्लैट K–910 एक्वामरीन पीबीईएल सिटी, टीएसपीए जंक्शन के पास पीरानचेरुवु गांव राजेंद्रनगर मंडल, आर.आर. जिला तेलंगाना– 500 091, मो.सं. 91775 57792 ईमेलःsecretarytelugufedrationts@gmail.com
भाई जी सुब्रमण्यम	डी. नं. 25–2–424, 10वीं लेन, लेक व्यू कॉलोनी, पोडालाकुर रोड, नेल्लोर 524004 मोबाइलः 94416 45233 ईमेलः gandhavallasubrahmanyam39@gmail.com

उत्कल

डॉ. चित्तरंजन शतपथी — शांति कुंज, लेन नंबर 5, चाहत नगर, कटक–753 014, ओडिशा
मोबाइल नंबर– 94453 93915,
ईमेल–chittaranjansatpathy@gmail.com

बहन. मितालिनी चौधरी — प्लॉट नं.–625, शहीद नगर, भुवनेश्वर – 751 007, ओडिशा
मोबाइल नंबर–94372 84046
ईमेल–mitalini.m@gmail.com

बहन. पौर्णमासी पट्टनायक — फ्लैट नंबर 4ए, श्री एन्क्लेव अपार्टमेंट, गौतम नगर, भुवनेश्वर– 751 014
मोबाइल नंबर 94372 76204
ईमेल– pattanaikpaurnamasi@gmail.com

उत्तरप्रदेश

भाई यू.एस.पांडेय — ए–893, इंदिरा नगर लखनऊ – 226 016
मोबाइल नंबर 9451993170, 7905068911
ईमेलः usplko@gmail.com

भाई एस के पांडे — 4/136 कल्पना कुटीर, शुक्ला गंज
पी.ओ. गंगाघाट, जिला. उन्नाव – 209 861
मो. नंबर 9839817036
ईमेल/ sheo_2010@rediffmail.com

कु. प्रीति तिवारी — प्लॉट नंबर 109/3–ए, फ्लैट नंबर 302, नेहरू नगर, कानपुर – 208 012
मो. नंबर 9839173428
ईमेलः preeti-nov6@gmail.com

भाई एस बी आर मिश्रा — एच नंबर 3, बिलंदपुर गोरखपुर – 273001
मो.नंबर 79051 71988
ईमेल –mishrasbr@gmail.com

बहन. कुमुद रंजन — सी–32/22, बी–11, श्री राम सिंह राणा नगर, विद्यापीठ रोड, वाराणसी – 221002
मो.नंबर 9839151780
ईमेल– ranjanvkm@gmail-com

सहयोजित सदस्य (Co-opted members)

बहन. उमा भट्टाचार्य — भारतीय भाषा थियोसोफिकिल सोसायटी कामच्छा,, वाराणसी–221010
मो. नंबर 9648742212
ईमेलः umabhattacharyya15@gmail.com

भाई सी. ए .शिंदे — उपासिका, थियोसोफिकल सोसायटी अड्यार, चेन्नई– 600 020
मो. नंबर (0)9940140228
ईमेलः Cashinde22@gmail.com

भाई शिखर अग्निहोत्री — जीएम कार्यालय, थियोसोफिकल सोसायटी, अड्यार, चेन्नई – 600 020 तमिलनाडु
मो.नंबर 8840926268
ईमेलः shikar9379@gmail.com

भाई एन.सी. कृष्णा — 10–283/1/5, प्लॉट क्रमांक 84, वसंतपुरी कॉलोनी, मलकाजगिरि, हैदराबाद–5000047
मो.नंबर 09866355661
ईमेलः nck.krishna@gmail.com

भाई प्रदीप कुमार महापात्रा — प्लॉट नंबर 625 शहीद नगर भुवन, ओडिशा–751007
मो. नंबर 09437697429
ईमेल– peekem0277@gmail.com

भाई एस.एल. दार — ''रघुकुलम'' बी–21/81,कामच्छा, वाराणसी–221010
मो. नंबर 9415221425, 7704023317
ईमेल – snldar@gmail.com

भाई सनत व्यास — बी–50/3, त्रिवेणी विहार, पानी की टंकी के पास मालनवासा, उज्जैन – 456 010
मो. नंबर 9406635501, 8226007650
ईमेल– sanatvyas2011new@gmail.com

बहन. सोनल मुरली — बेसेंट बंगला, 1, बेसेंट एवेन्यू, थियोसोफिकल सोसायटी, अड्यार, चेन्नई 600020
मो. नंबर 9049867345
ईमेलः mrigsshirsha@gmail.com

भाई के. शिव प्रसाद — राष्ट्रीय निदेशक
(भारत) थियोसोफिकल ऑर्डर ऑफ सर्विस
थियोसोफिकल सोसायटी परिसर
कामच्छा, वाराणसी, यू.पी. 221 010
मो. नंबर 9848291468
ईमेल– tosvaranasi@gmail.com

भाई हितेश पटेल — 20 पिनाल रो हाउस, हानी पार्क रोड,
बूमी कॉम्प्लेक्स पास अदजान के,
सूरत–395009, गुजरात
मो. नंबर 81417 77236
ईमेल– phitesb@gmail.com

पद के अनुसार (Ex Offio)

भाई प्रदीप एच. गोहिल — अध्यक्ष
गोहिल पुत्र हरदेवसिंहजी,
प्लॉट नंबर 1163, मोहबत निवास, सर पट्टानी
रोड, कृष्णानगर, भावनगर –364 00, गुजरात
मोबाइल नंबर 09824214891
ईमेल– phgohileuxcel@gmail.com

भाई वी. नारायणन — कोषाध्यक्ष, भारतीय अनुभाग थियोसोफिकल
सोसायटी, कामच्छा, वाराणसी–221010
मोबाइल नंबर 09793888596,
ईमेल– auroson@gmail.com

2026 के लिए कार्यकारी समिति, (Executive Committee)
जिसे 31/10/2025 को इंडियन सेक्शन काउंसिल द्वारा मंजूरी दी गई।

1, भाई प्रदीप एच. गोहिल अध्यक्ष
गोहिल पुत्र हरदेवसिंहजी, प्लॉट नंबर 1163,
मोहबत निवास, सर पट्टानी रोड, कृष्णानगर,
भावनगर –364 00, गुजरात
मोबाइल नंबर 09824214891
ईमेल– phgohilexcel@gmail.com

2, भाई वी. नारायण — कोषाध्यक्ष, भारतीय अनुभाग थियोसोफिकल
सोसायटी कामच्छा, वाराणसी–221010
मोबाइल नंबरः 09793888596
ईमेल– auroson@gmail.com

3. भाई.नरेशभाई ए. त्रिवेदी 305, नंदनवन अपार्टमेंट,
बी/एच द्वारकाधीश मार्केट, सामने।
सरदारबाग, जूनागढ–362001 गुजरात
मोबाइलः (0)9879065200
लैंडलाइन 0285–2630281
ईमेलः nareshtrivedi82@gmail.com

4. भाई. सी.ए. शिंदे — उपासिका, थियोसोफिकल सोसायटी
अड्यार, चेन्नई– 600 020
मोबाइलः (0)9940140228
ईमेल– cashinde22@gmail.com

5. बहन. उमा भट्टाचार्य — भारतीय अनुभाग, थियोसोफिकल सोसायटी
कामच्छा, वाराणसी–221010
मोबाइल नंबरः 9648742212
ईमेलः umabhattacharyya15@gmail.com

6. भाई. एस.जी. सनथ कुमार 112/4, डायग्नोल रोड, सिंडिकेट बैंक के
पीछे वी.वी. पुरम, बैंगलोर–560004
मोबाइल नंबर 09448856179
ईमेल– sanathkumar.sg@gmail.com

7. भाई. एन. सी. कृष्णा — 10–283/1/5, प्लॉट नंबर 84, वसंतपुरी
कॉलोनी, मल्काजगिरि, हैदराबाद–500047
मोबाइल नंबर 09866355661
ईमेलः nck.krishna@gmail-com

8 भाई. यू.एस. पांडे — ए–893, इंदिरा नगर लखनऊ–228016
मोबाइल नंबर 09451993170
ईमेलः usplko@gmail.com

9. भाई. प्रदीप के.महापात्रा — प्लॉट नंबर 625 शहीद नगर भुवनेश्वर
ओडिशा–751 007
मोबाइल नंबर 09437697429
ईमेल– peekem0277@gmail.com

10. भाई. एस.एल. दार — ''रघुकुलम'' बी–21/81,
कामच्छा, वाराणसी–221010

मोबाइल नंबर 9415221425, 7704023317
ईमेल – snldar@gmail.com

11. बहन. सी.पी. भूयन
96, होमियो कॉलेज रोड।
पंजाबबारी, गुवाहाटी 781 037
मोबाइल नंबर 9864508789
ईमेल– cpbhyuan@gmail.com

नेशनल लेक्चरर – 2026
(जैसा कि कार्यकारी समिति की बैठक में अनुमोदित किया गया 3/1/2026)

श्री. सी.ए. शिंदे
उपासिका, थियोसोफिकल सोसाइटी
अड्यार, चेन्नई– 600 020
मोबाइल नंबर (0)9940140228
ईमेलः cashinde22@gmail.com

श्री. बी.डी. तेंदुलकर
बिल्डिंग. जीएल, प्लॉट नंबर 14, दूसरी मंजिल
एचआईजी स्कीम, एमएचबी कॉलोनी जनवाडी,
पुणे– 411 016
लैंडलाइन 020–25652393,
मोबाइल नंबर 09881519108
ईमेलः b.tendulkar@yahoo.com

श्री एस.के. पांडे
4/136, कल्पना कुटीर, शुक्ला गंज,
पी.ओ. गंगाघाट–209861, उन्नाव
मोबाइल नंबरः 09839817036
ईमेलः sheo_2010@rediffmail.com

श्री अशोक प्रताप लोखंडे
प्लॉट नंबर 68, माधव नगर
नागपुर– 4400 010
मोबाइल नंबरः 09822734680
ईमेलः meenalohande18@yahoo.com

श्री एन.सी. कृष्णा
10–283/1/5, प्लॉट नंबर 84, वसंतपुरी
कॉलोनी,मल्काजगिरि, हैदराबाद–5000047
मोबाइल नंबर 09866355661
ईमेलः nck.krishna@gmail.com

डॉ. एल. नागेश
101, द्वितीय क्रॉस, 4 मुख्य
इनकम टैक्स लेआउट, विजयनगर
बैंगलोर– 560 040, कर्नाटक
लैंडलाइन नंबर 080–23396000
मोबाइल नंबरः 09844035470
ईमेलः drlnagesh72@gmail.com

श्री शिखर अग्निहोत्री
जीएम कार्यालय, थियोसोफिकल सोसायटी,
अड्यार, चेन्नई – 600 020, तमिलनाडु
मोबाइल नंबरः 8840926268
ईमेलः shikhar9379@gmail.com

डॉ. बिपुल सरमा
चक्रवर्ती लेन, ताराजन,
जोरहाट–785001, असम
मोबाइल नंबर – 09435357432
ईमेलः dr.kanaibs@rediffmail.com

श्रीमती सोनल मुरली
बेसेंट बंगला, 1, बेसेंट एवेन्यू,
थियोसोफिकल सोसायटी,
अड्यार, चेन्नई 600020
मोबाइल नंबर – 9049867345
ईमेलः mrigsshirsha@gmail.com

श्री नरसिम्ह ठाकरिया
ए/201, सनाई रेजीडेंसी, अपोजिट परशुराम
गार्डन, अदजान, सूरत–395009
मोबाइल नंबर – 94426362253
ईमेलः divyarajthakaria1310@gmail.com

श्री यू.एस. पांडे
ए–893, इंदिरा नगर, लखनऊ–228016
मोबाइल नंबर – 09451993170
ईमेलः usplko@gmail.com

श्री प्रदीप कुमार महापात्रा
प्लॉट नंबर 625 शहीद नगर, भुवनेश्वर
ओडिशा–751 007
मोबाइल नंबर – 09437697429
ईमेलः peekem0277@gmail.com

श्री. नंदकुमार नारायण राउत
मधुमालती अपार्टमेंट
फ्लैट नंबर 8, मोहिते प्लॉट्स,
छोटी उमरी, अकोला, महाराष्ट्र–444005
मोबाइल नंबर– 09975722582
ईमेलः nandkumarnraut@gmail.com

बहन. विभा सक्सेना
फ्लैट नं. सी–201, आनंद अपार्टमेंट,

	सेक्टर 48 नोएडा, यूपी 201301 मोबाइलः 98914 11972 ईमेलः vsaksena@yahoo-co.uk
डॉ. पी. सारथी प्रसाद सारंगी	क्वार्टर नंबर 113/1, आईटीआर कॉलोनी, केन्द्रीय विद्यालय–1 के पास, बालासोर, पिन– 756 001, ओडिशा मोबाइल नंबर – 9437495702 ईमेलः pspsarangi@gmail.com
डॉ. राजीव गुप्ता	ई.ए– 434, माया एन्क्लेव, हरि नगर, नई दिल्ली–110064 ईमेलः drrajivgupta@gmail.com मोबाइल नंबर –.918005187037
प्रोफेसर रचना श्रीवास्तव	प्राचार्य, वसंत कन्या महाविद्यालय, कामच्छा, वाराणसी मोबाइल – 7607053468 ईमेलः – racna0401@gmail.com
श्रीमती पूर्णिमासी पटनायक	फ्लैट नंबर 4ए, श्री एन्क्लेव अपार्टमेंट, गौतम नगर, भुवनेश्वर–751014, ओडिशा मोबाइल नंबर–9437276204 ईमेलः pattanaikpaurnamasi@gmail.com
बहन. सुव्रलीना मोहंती	ई 1703, क्लाउड 9, सेक्टर 1, वैशाली, गाजियाबाद 201010 मोबाइल नंबर – 9873335928 ईमेलः suvralina@gmail.com
भाई हर्षवदन एम. शेठ	9, अपूर्वा बंगला, बी/एच. शारदा स्कूल, सोला रोड, मेमनगर, अहमदाबाद–380 052 गुजरात मोबाइल नंबर – 9824073678 ईमेलः harshavadan_sheth@yahooco.uk
डॉ. सुषमा श्रीवास्तव	फ्लैट–9, सी–ब्लॉक, तुलसियानी एन्क्लेव, 28 लाउदर रोड, जॉर्ज टाउन, प्रयागराज–211002, उत्तर प्रदेश मोबाइल नंबर – 94506 07100 ईमेलः sushmasrivastava24@gmail.com
भाई आदिकेशव प्रकाश	राघवेन्द्र निलय 2008/90, 19वां क्रॉस रंगनाथ बडावने, विद्यानगर, दावणगेरे – 577005 मोबाइल नंबर – 6364800115 ईमेलः adikeshav123@gmail.com
भाई एस.बी.आर. मिश्रा	मकान नं. 3, बिलंद पुर, गोरखपुर– 273001 मोबाइल नंबर – 7905171988 ईमेलः mishrasbr@gmail.com
भाई दीपक आर. पाडया	साकेत 48, राजदीप सोसायटी, बर्ना रोड, अक्षर बंगलो के अपोजिट, हिम्मतनगर–383001, गुजरात मोबाइल : 9427221220, 9586221220 ईमेल आईडीः drpandya14@gmail.com
भाई एम एस प्रदीप	188/ई, भुवनेश्वरी नगर, चौथा क्रॉस, बनशंकरी तीसरा, 5वां ब्लॉक, बैंगलोर–560085 मोबाइल नंबर – 8088760197 ईमेलः mspdpsb@gmail.com

अपील

प्रिय भाइयों और बहनों,

आप सभी को नए साल की बहुत–बहुत शुभकामनाएँ। बुधवार, 29 अक्टूबर, 2025 को वाराणसी में इंडियन सेक्शन की छठी कार्यकारी समिति (Executive Committee) की बैठक में, यह तय किया गया कि हमारे सदस्यों से पुराने कपड़े इकट्ठे करके इंडियन सेक्शन हेडक्वार्टर से जरूरतमंदों को बांटे जाएंगे।

मैं सभी सदस्यों से अनुरोध करता हूँ कि वे इस प्रोजेक्ट के लिए जो कुछ भी दे सकते हैं, दें। सभी तरह के कपड़े जैसे शर्ट, पैंट, टी–शर्ट, साड़ियाँ पंजाबी ड्रेस, फ्रॉक, गाउन, स्वेटर, मोजे, दस्ताने, आदि दान किए जा सकते हैं।

मैं लॉज अध्यक्षों से अनुरोध करता हूँ कि वे ऐसे कपड़े इकट्ठा करें, उन्हें एक बॉक्स में पैक करें और ट्रांसपोर्ट या कूरियर से इस पते पर भेजें:

द इंडियन सेक्शन–द थियोसोफिकल सोसाइटी
रथ यात्रा क्रॉसिंग के पास, गुरुबाग रोड,
वाराणसी, यू.पी. 221010
ध्यान दें:– श्री राजकुमार पांडे
मोबाइल – 86877–64344

यह हमारे समाज में जरूरतमंद लोगों के लिए सेवा का एक महान कार्य होगा

और थियोसोफिकल सोसाइटी के पहले उद्देश्य की पूर्ति होगी।
कई लॉज अध्यक्ष पहले ही ऐसे कपड़े भेज चुके हैं।
आप सभी को शुभकामनाएँ।

प्रदीप गोहिल

त्रुटि सुधार

द इंडियन थियोसोफिस्ट, दिसंबर 2023, पेज 12–18 में प्रकाशित सुप्रलिना मोहंती के लेख में, पेज 16–17 पर शॉन मेहता की कहानी ''द डार्कनेस आफ इग्नोरेन्स'' थी। एक अनजाने में हुई गलती के कारण, लेखक का नाम छूट गया था। हम ईमानदारी से लेखक शॉन मेहता को स्वीकार करते हैं और उन्हें इसका श्रेय देते हैं।

भाई श्याम सिंह गौतम को श्रद्धांजलि

भाई श्याम सिंह गौतम थियोसोफिकल सोसाइटी, चौहान लॉज, कानपुर के सदस्य थे। उनका निधन 10 जनवरी, 2026 को हो गया। उन्होंने भाई रामकुमार सिंह (USA) की प्रेरणा से अड्यार, चेन्नई में थियोसोफिकल सोसाइटी की सदस्यता प्राप्त की थी। उन्होंने अपना जीवन थियोसोफी को समर्पित कर दिया था। अपने अंतिम दिनों में खराब स्वास्थ्य के बावजूद, वह सुबह से रात तक काम करते रहे और कई थियोसोफिकल अंग्रेजी साहित्य का हिंदी में अनुवाद किया और इंडियन सेक्शन पत्रिका ''द इंडियन थियोसोफिस्ट'' का हिंदी में अनुवाद जारी रखा। अपने निधन से पहले उन्होंने इच्छा व्यक्त की थी कि अगर यह हिंदी अनुवाद बिना किसी रुकावट के जारी रहे तो अच्छा होगा। वह केंद्र सरकार के औद्योगिक स्वच्छता विभाग में एक उच्च पद से सेवानिवृत्त हुए थे; उनका जीवन अत्यंत सरल और सादा था, वह मृदुभाषी व्यक्ति थे और अपने व्यक्तिगत जीवन में अत्यंत ईमानदार थे। जब वह अस्वस्थ थे, तब भी उन्होंने कभी भी मीटिंग नहीं छोड़ी। उनका जीवन और आचरण हमेशा सभी के लिए एक उदाहरण था और आगे भी रहेगा। वह थियोसोफिकल सोसाइटी, इंडियन सेक्शन के राष्ट्रीय व्याख्याता थे, और अपने जीवनकाल में, उन्होंने कई लॉज का दौरा किया, व्याख्यान दिए और अध्ययन शिविर आयोजित किए। उनके कई लेख थियोसोफिकल पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। वह नए सदस्यों के लिए किताबें पढने और लॉज की बैठकों में बोलने के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत थे। उनकी जीवंतता और गहन ज्ञान हमेशा लॉज की बैठकों में स्पष्ट था; उनके प्रभाव को कभी भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सदस्य उन्हें अपनी हार्दिक और भावनात्मक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनकी शांतिपूर्ण आगे की यात्रा के लिए प्रार्थना करते हैं।